ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

बीकानेर – 334006

Phone 0151 2250018, 0151 2250570

Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekad ,Q@,xk@,xkeV-@26 fnukad **09.06.2026**

ftyk& chdkusj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 09 जून 2026 से 13 जून 2026 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 40.0 से 43.3 °C एवं न्यूनतम तापमान 20.5 से 24.0°C के मध्य रहा। 43.6 एम. एम. वर्षा हुई । इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 46 से 90% रही ।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (09.06.2026 से 13.06.2026) 09.06.2026 को घने बादल छाए रहने, 10.06.2026 को बादल छाए रहने 11.06.2026 से 12.06.2026 तक पूर्णाच्छादित छाए रहने, 13.06.2026 को घने बादल छाए रहने न्यूनतम तापमान 30.0-31.0°C और अधिकतम तापमान 44.0-46.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दक्षिणी पश्चिमी, पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी और पश्चिमी दिशा से कम से मध्यम गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	09.06.2026	10.06.2026	11.06.2026	12.06.2026	13.06.2026
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**3**	**2**
आसमान में बादलो की स्थिति	घने बादल	बादल	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित	आंशिक बादल
अधिकतम तापमान (° C)	**45**	**45**	**46**	**44**	**44**
न्यूनतम तापमान (° C)	**31**	**31**	**31**	**30**	**30**
वायु दिशा	पश्चिमी	पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**33**	**34**	**43**	**45**	**47**
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**16**	**14**	**18**	**23**	**25**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**4**	**4**	**3**	**1**	**2**
वर्षा (एम.एम.)	**05.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	• गर्मी के जोखिम से बचें और यथासंभव छायादार स्थान में रहें। • शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ। • ओ आर एस, घर के बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी आदि का सेवन करें ताकि शरीर हाइड्रेट रहे। • किसानों को सलाह दी जाती है कि पशुओं को गर्मी के तनाव से बचाने के उचित उपाय करें तथा फसलों में नियमित रूप से सुबह या शाम के समय सिंचाई करें। • पशु-पक्षियों और अन्य जीवों को भी लू से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। • क्षारीय वाले खेतो मे मानसून की वर्षा शुरू होने से पहले गहरी जुताई करके जिप्सम या सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर रखे ।

फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
ख़रीफ़		तैयारी	मानसून या मानसून के पूर्व की वर्षा का लाभ लेने के लिए ख़रीफ़ फसलो की बुवाई की तैयारी रखे। उन्नत बीज, बीज उपचार के लिए रसायन उर्वरक आदि की व्यवस्था करें और अच्छी मात्रा में वर्षा होने पर बुवाई करें।
मूंगफली	बुवाई की तैयारी	खेत की तैयारी, उर्वरक, किस्में	भूमि तैयार करें और बीज, उर्वरक, उपकरण आदि की व्यवस्था करें। मूंगफली की बुआई से पहले बीज को 2.5 ग्राम क्लोरोथेलोनिल या 2.0 ग्राम कार्बेन्डाइजम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करें और दीमक पर नियंत्रण के लिए बीज को 3.0 मिली/किग्रा इमिडाक्लोप्रिडन से उपचारित करें। फिर बीज को राइजोबियम और पीएसबी कल्चर 3 पैकेट/हेक्टेयर की दर से उपचारित करें। बुआई के समय एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए बेसल खुराक के रूप में 44 किलोग्राम यूरिया और 200 किलोग्राम एसएसपी उर्वरक का उपयोग करें।
उद्यानिकी		सिंचाई	उद्यानिकी फल फसलों जैसे खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू एवं सब्जी फसलों जैसे ककड़ी, तरबूज, खरबूज, टिंडा एवं टमाटर की समय पर सिंचाई करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियों	फलन	कीट नियंत्रण	कद्दूवर्गीय सब्जियों जैसे खरबूजा, तरबूज और ककड़ी में फल मक्खी के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ईसी की 1 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
चारा प्रबंधन	बेहतर पैदावार		बेहतर पैदावार के लिए चारे वाली फसलों में बार-बार सिंचाई करें।
पशुधन		स्वास्थ्य प्रबंधन	दुधारू पशुओं में स्तनदाह से बचाव के उपाय अपनाएं। पेट के कीड़ों की दवा की मौखिक खुराक दें। पशुओं को लू से बचाएं। पशुओं को अच्छी गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध करायें। तेज़ हवा की गति को देखते हुए अपने आप को और जानवरों को पुराने/क्षयग्रस्त आश्रयों और दीवारों से दूर रखें।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा